हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 12 अंक : 183 देहरादून, शुक्रवार, 12 जनवरी, 2024 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

ACS राधा रतूड़ी ने मानसखण्ड मंदिर माला मिशन के कार्यों की समीक्षा की 3

चम्पावत के लाभार्थियों से वर्चुअल संवाद में सीएम धामी ने उपलब्धियां गिनाई

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 12 जनवरी , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत जनपद चम्पावत के लाभार्थियों से वर्चुअल संवाद किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने केन्द्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ पाने वाले लोगों से बातचीत की। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले साढ़े नौ साल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जनहित में बड़े निर्णय लिये गये हैं और समाज के हर वर्ग के लोगों को ध्यान में रखते हुए योजनाएं बनाई गई हैं। समाज के अन्तिम छोर के लोगों तक योजनाओं का पूरा लाभ मिले, इसके लिए लगातार प्रयास किये गये हैं। 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस पर विकसित भारत संकल्प यात्रा का शुभारंभ प्रधानमंत्री द्वारा किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य भी समाज के गरीब और वंचित लोगों तक योजनाओं का पूरा लाभ पहुंचाना है। राज्य की 7795 ग्राम पंचायतों में विकसित भारत संकल्प यात्रा के कार्यक्रम किये गये हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा से केंद्र व राज्य सरकार की अनेक जन कल्याणकारी योजनाओं का लोगों को तेजी से लाभ मिला है। केन्द्र एवं राज्य सरकार की अनेक योजनाओं का लाभ लोगों को घर बैठे ही ऑनलाईन सेवाओं के माध्यम से मिल रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में नई कार्य संस्कृति बनी है। लोगों को योजनाओं का लाभ उनके घरों पर जाकर दिया जा रहा है उन्होंने केन्द्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित होने वाले लोगों से आह्वान किया कि अन्य पात्र लोगों को भी इन योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा समाज के विभिन्न वर्गों को ध्यान में रखते हुए योजनाएं चलाई जा रही हैं। दिव्यांग पेंशन प्रतिमाह 1200 रूपये से बढ़ाकर 1500 रूपये की है। अब प्रत्येक पात्र पति-पत्नी को वृद्धावस्था पेंशन भी बढ़ाकर प्रतिमाह 1500 रूपये की गई है। पहले यह धनराशि परिवार में केवल एक को मिलती थी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हर व्यक्ति के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने का कार्य हुआ है। राज्य में भी स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने के लगातार प्रयास किये जा रहे हैं।

राज्य में मातृशक्ति द्वारा स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने की दिशा में सराहनीय कार्य किया जा रहा है। राज्य की महिलाओं द्वारा बनाये जा रहे अनेक उत्पादों की मांग तेजी से बढ़ रही है। हमें उत्पादों की पैकेजिंग और मार्केटिंग की दिशा में और कार्य करने होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि वैश्विक निवेशक सम्मेलन में प्रधानमंत्री ने 'हाउस ऑफ हिमालयाज' को लांच किया। इसके माध्यम से उत्तराखण्ड के उत्पादों को वैश्विक स्तर पर नई पहचान मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि चम्पावत को आदर्श जनपद बनाने की दिशा में सरकार निरंतर कार्य कर रही है। आदर्श चंपावत से आदर्श उत्तराखण्ड का मॉडल बनेगा।

मुख्यमंत्री से संवाद के दौरान चम्पावत के श्री लक्ष्मी दत्त ने बताया कि उन्होंने पीएम स्वनिधि के तहत पहले 10 हजार और फिर 20 हजार का लोन लिया। वे इस लोन को पूरा कर चुके हैं, अब 50 हजार का लोन लेने वाले हैं। श्री लक्ष्मी दत्त ने बताया कि वे विकलांग हैं, विकलांग पेंशन के साथ पी.एम स्वनिधि योजना का लाभ मिलने से उन्हें बहुत मदद मिली है। एनआरएलएम ये जुड़ी श्रीमती कविता ने कहा कि स्वयं सहायता समूह के जरिये वे पिरूल के गुलदस्ते, टोकरी, राखी तथा आवंले और अदरक की कैंडी बना रही हैं, जिससे उनको अच्छी आय प्राप्त हो रही है।

रोहित सिंह मेहर ने बताया कि उनके द्वारा मत्स्य पालन के लिए 08 तालाबों को निर्माण किया जा रहा है, इसके लिए उन्हें किसान क्रेडिट कार्ड बनाने के बाद 60 हजार रूपये की सब्सिडी मिली है। इस अवसर पर उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत योजना एवं केन्द्र और राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ प्राप्त करने वाले लोगों ने मुख्यमंत्री से संवाद कर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री धामी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर अपर सचिव रणवीर सिंह चौहान, आनन्द स्वरूप, वर्चुअल माध्यम से जिलाधिकारी चम्पावत नवनीत पाण्डे और जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

पढ़िए धामी कैबिनेट के निर्णय

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 12 जनवरी , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में प्रदेश मंत्रिमंडल की बैठक बृहस्पतिवार को राज्य सचिवालय में सम्पन्न हो गयी है। कैबिनेट बैठक में विभिन्न विभागों के कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर गहनता के साथ चर्चा हुई। जिसमे कई बड़े फैसले लिये गये हैं।

वित्त विभाग के तहत वन टाइम सेटलमेंट स्कीम को 3 महीने का बढ़ाया गया समयउच्च शिक्षा विभाग में सहायक अध्यापक की भर्ती चल रही है , 25 पद भर्ती के बाद भी बचेंगे जिन्हें संविदा से भरा जाएगाआवास विभाग के तहत नजूल नीति 2021 वाली चल रही थी। रानी नजूल नीति को ही लागू किया जाएगा,जब तक नीति तक नई नीति पर राष्ट्रपति की मुहर नही लगतीऊर्जा विभाग की अनवैल रिपार्ट सदन की पटल पर रखने को मंजूरीआयुष विभाग में अपर निदेशक की निदेशक बन सकेंगेहाईकोर्ट की शिफ्टिंग को लेकर गौला नदी के पार चल रहा हैइसलिए इसके आस पास एरिया फ्री जोन रहेगा,कोई निर्माण कार्य नही हो पायेगाखटीमा में बार एसोसिएशन के चेम्बर की लीज बढ़ाई गईगन्ना विकास विभाग में 400 करोड़ से अधिक लोन लेने को मंजूरीसंस्कृति और धर्म संस्कृति विभाग के तहत बीकेटीसी नई भर्ती नियमावली को मंजूरीशहरी विकास विकास विभाग के तहत कैंट बोर्ड के एरिया को निकायों में शामिल करने को मंजूरी,भारत सरकार से की जाएगी मांगहरिद्वार ऋषिकेश गंगा कॉरिडोर परियोजना को मंजूरी मिली थी,जिससे uiadb कार्य करेगीविधानसभा सत्र आयोजित करने के लिए कैबिनेट ने मुख्यमंत्री को किया अधिकृत पर्यटन विभाग द्वारा केदार नाथ में चल रहे निर्माण कार्य के तहत लगाए जा रहे ॐ का किया जाएगा परीक्षण, भूकम में भी मजबूत थे ॐ कंपनी लगाएगी दुबारा।

उत्तराखंड : कंपकंपी वाली सर्दी का सितम, 4 जिलों में कोल्ड डे अलर्ट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 12 जनवरी : उत्तराखंड में अब भीषण सर्दी पड़ रही है। दिन में भी आकाश में छाए कोहरे के कारण सूरज के दर्शन नहीं हो पा रहे। इससे अधिकतम तापमान में गिरावट आ रही है। अधिकतम तापमान नीचे आने के कारण हरिद्वार, नैनीताल, पौड़ी और उधम सिंह नगर जिलों के मैदानी हिस्सों में कोल्ड डे की स्थिति बन रही है।

मौसम विभाग ने शीत दिवस को लेकर येलो अलर्ट जारी किया है। उत्तराखंड में मौसम शुष्क बना हुआ है और फिलहाल बारिश के आसार नहीं हैं। ज्यादातर क्षेत्रों में धूप खिल रही है। मैदानी क्षेत्रों में कोहरे का प्रकोप बना हुआ है। तेज धूप के बावजूद सर्द हवाओं के चलने से दिन के समय कंपकंपी भी छूट रही है प्रदेश में सर्द हवाओं के कारण अधिकतम तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई है। मौसम विभाग ने हरिद्वार, नैनीताल, पौड़ी और उधम सिंह नगर जनपदों के मैदानी हिस्सों में कोल्ड डे की स्थिति बनने की संभावना व्यक्त की है। बीते दिन देहरादून का अधिकतम तापमान सामान्य से दो डिग्री सेल्सियस अधिक 21.5 और न्यूनतम तापमान सामान्य से एक डिग्री कम 5.4 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक विक्रम सिंह के अनुसार प्रदेश में अगले कुछ दिनों तक पर्वतीय क्षेत्रों में पाला और मैदानी हिस्सों में कोहरा परेशानी बढ़ा सकता है।

सिर्फ इतने रुपए में बिना खरीदे चलाएं कार, महीने भर का किराया हैं बेहद कम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट, 12 जनवरी, मारुति सुजुकी के पास आप लोगों के लिए एक बढ़िया स्कीम है, इस स्कीम के तहत आप लोगों को नई कार खरीदने के लिए लाखों रुपए खर्च करने की कोई जरूरत नहीं है. आप जब तक मन चाहे मारुति की कोई भी कार लेकर चला सकते हैं, इसके लिए आपको बस छोटी सी मंथली फीस चुकानी होगी. नई कार खरीदने का बजट नहीं बन पा रहा तो कोई बात नहीं, आप बिना गाड़ी खरीदे भी जब तक मन चाहे कार चला सकते हैं. जी हां, आपने सही पढ़ा मारुति सुजुकी की एक ऐसा स्कीम है जिसके तहत आपको कार खरीदने की कोई भी जरूरत नहीं है. आप Maruti Suzuki की कोई भी गाड़ी चला सकते हैं, सबसे खास बात तो यह है कि आपको बस मंथली फीस देनी है और इस फीस में आपकी कार की मैंटेनेंस, इंश्योरेंस और रोड साइड असिस्टेंस जैसी सुविधाओं का भी फायदा मिलेगा.

कितना है मंथली किराया?

आप Celerio, Swift, WagonR, Ignis, Baleno, Dzire, Fronx, New Brezza, Ertiga, Ciaz, XL6, Grand Vitara, Jimny और Invicto में से किसी भीमारुति सुजुकी कार को सब्सक्रिप्शन मॉडल के तहत खरीद सकते हैं. मारुति सुजुकी के कार सब्सक्रिप्शन पेज के अनुसार, सिलेरियो के लिए 12,907 रुपए से 16,479 रुपए तक, WagonR के लिए 13,455 रुपए से 17,476 रुपए तक, स्विफ्ट के लिए 13,768 रुपए से 19,049 रुपए तक, Ignis के लिए 14,634 रुपए से 20,535 रुपए और Baleno के लिए 15,545 रुपए से 21,934 रुपए तक आपको मंथली खर्च करने होंगे.

Dzire के लिए 15,692 रुपए से 21,740 रुपए तक, Fronx के लिए 19,200 रुपए से 31,321 रुपए तक, न्यू Breeza के लिए 19,445 रुपए से 31,915 रुपए तक, Ertiga के लिए 20,257 रुपए से 30,553 रुपए तक, Grand Vitara के लिए 28,838 रुपए से 43,732 रुपए और Ciaz के लिए 22,050 रुपए से 30,153 रुपए तक मंथली खर्च आएगा. Jimny के लिए 31,271 रुपए से 33995 रुपए तक और Invicto की बात करें तो इस कार का मंथली किराया 54,896 रुपए से 61893 रुपए तक है, इस कीमत में इस कार का ऑटोमैटिक वेरिएंट आपको मिलेगा.

बुकिंग के लिए आपको करना होगा ये काम

सबसे पहले आपको https://www.marutisuzuki.com/subscribe/cars-on-subscription पर जाना होगा, इसके बाद आपके सामने गाड़ियों की लिस्ट आ जाएगी. जो भी कार आपको पसंद है उस कार के नाम के नीचे दिख रहे Configure Now पर टैप कर दीजिए,इसके बाद नेक्स्ट पेज पर आपको अवधि को चुनना होगा कि आप कार को कितने समय के लिए लेना चाहते हैं, यहां आपको 12 महीने से लेकर 60 महीने तक का ऑप्शन मिलेगा. अवधि और स्क्रीन पर नजर आ रही डिटेल्स को भरने के बाद Enquire ऑप्शन पर क्लिक करें.

लक्षद्वीप में 97 फीसदी मुसलमान... जानिए कहां से आए इतने मुस्लिम !

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट, 12 जनवरी, लक्षद्वीप अपनी खूबसूरती के साथ इस बात के लिए भी जाना जाता है कि यहां की 97 फीसदी आबादी मुस्लिम है. इतिहास के पन्ने पलटेंगे तो पाएंगे कि यह बौद्ध और हिन्दू बाहुल्य क्षेत्र था. इस द्वीप को राजा चेरामन पेरुमल को इसे बसाने का श्रेय जाता है. लेकिन समय के साथ यहां इस्लाम का ऐसा प्रचार-प्रसार हुआ कि यह मुस्लिम बहुल बन गया.

लक्षद्वीप की 97 फीसदी आबादी मुस्लिम है.

पीएम मोदी के दौरे से एक बार फिर लक्षद्वीप चर्चा में है. लक्षद्वीप अपनी खूबसूरती के साथ इस बात के लिए भी जाना जाता है कि यहां की 97 फीसदी आबादी मुस्लिम है. जनसंख्या गणना 2011 के आंकड़े इसकी पुष्टि करते हैं, लेकिन इतिहास के पन्ने पलटेंगे तो पाएंगे कि यह बौद्ध और हिन्दू बाहुल्य क्षेत्र था. इस द्वीप को राजा चेरामन पेरुमल को इसे बसाने का श्रेय जाता है. लक्षद्वीप की आधिकारिक वेबसाइट कहती है, अरब के कुछ व्यापारियों के इशारे पर इस्लाम का धर्मांतरण करने के बाद वो राजधानी क्रैंगानोर से निकल पड़े. फिर उनकी खोज शुरू हुई।

राजा चेरामन पेरुमल ने 825 ईस्वी में इस्लाम को अपना दिया और फिर नहीं मिले. उनकी खोज करने के लिए नौकाएं निकलीं और फिर मक्का के किनारे तक पहुंचने के लिए रवाना हुई. माना जाता है कि उनकी खोज के बाद लौटे दल ने अमीनी द्वीप खोजा और वहीं रहने लगे. उनकी खोज में जो लोग वहां गए थे वो हिन्दू थे. यहां धीरे-धीरे आबादी बढ़ी और अमीनी, कवरत्ती, एंड्रोट और कल्पनी द्वीपों की शुरुआत हुई. यहां पर लोग बसने लगे. धीरे-धीरे आबादी का दायरा बढ़ने लगा.

लक्षद्वीप में कब आया इस्लाम ?

यहां इस्लाम पहुंचने की कहानी शेख उबैदुल्लाह से जुड़ी है. जिन्हें संत उबैदुल्लाह भी कहा जाता है. उनका कनेक्शन 7वीं शताब्दी से है. अब उस कहानी को भी समझ लेते हैं. वो अरब में रहते थे और मक्का-मदीना में नमाज पढ़ते थे. मक्का में इबादत करते वक्त उन्हें नींद आ गई और सपने में पैगंबर मुहम्मद दिखाई दिए. उन्हें सपने में आदेश में मिला कि जेद्दाह जाओ वहां से जहाज लेकर इस्लाम को फैलाने के लिए दूर-दराज के क्षेत्रों में जाओ. सपने का पालन करने के लिए समुद्र के रास्ते निकल पड़े.

कही महीनों तक समुद्र में यात्रा करते रहे एक दिन तूफान आया और उनका जहाज संघर्ष करते हुए अमीनी द्वीप आ पहुंचा. उन्हें वहां फिर नींद आई और सपने में आए पैगंबर साहब ने वहां पर इस्लाम का प्रचार और प्रसार करने की बात कही. उन्होंने उसी आदेश का पालन किया और जब उनकी मंशा वहां के मुखिया को पता चली तो उन्होंने उन्हें वहां से निकाल दिया. फिर वो एक सुंदर युवती के प्यार में पड़ गए और उनका धर्मांतरण कराकर नाम हमीदत बीबी रखा. बाद में निकाह भी किया. हालांकि हालात सामान्य नहीं थे.

कब्र देखने के लिए पहुंचते हैं पर्यटक

कहा जाता है कि यहां विरोध के बाद उन्होंने द्वीप को छोड़ दिया और दूसरे कई द्वीप पर पहुंचे और लोगों को धर्मांतरण करने की बात कही. धीरे-धीरे लक्षद्वीप के कई अलग-अलग द्वीपों पर जाकर इस्लाम का प्रचार-प्रसार करते रहे. अलग-अलग जगहों पर जाने के बाद वो अंतिम दिनों वो एंड्रोट लौटे और वहीं उन्हें दफनाया गया. आज वहीं उनका मकबरा है, जिसे देखने के लिए श्रीलंका से लेकर म्यांमार और मलेशिया से लोग पहुंचते हैं. आज भारतीयों का पसंदीदा पर्यटन स्थल है, जिसे देखने के लिए सिर्फ भारतीय ही नहीं, पड़ोसी देशों के पर्यटक भी यहां पहुंचते हैं. पीएम मोदी की यात्रा के बाद फिर यह चर्चा में आ गया.

नींद टूटने से याददाश्त, सोचने की कमज़ोर हो सकती है शक्ति

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट, 12 जनवरी, अमेरिकन एकेडमी ऑफ न्यूरोलॉजी की आधिकारिक पत्रिका, न्यूरोलॉजी में ऑनलाइन प्रकाशित एक हालिया अध्ययन के अनुसार, जिन लोगों की 30 और 40 की उम्र में नींद अधिक बाधित होती है, उन्हें एक दशक बाद स्मृति और संज्ञानात्मक कठिनाइयों का सामना करने की अधिक संभावना होती है। शोधकर्ताओं द्वारा व्यक्तियों की नींद की अवधि और गुणवत्ता की जांच की गई। अपने औसत की गणना करने के लिए, प्रतिभागियों ने लगभग एक वर्ष के अंतराल पर दो अवसरों पर लगातार तीन दिनों तक कलाई गतिविधि मॉनिटर पहना। प्रतिभागी औसतन छह घंटे सोए।

40 वर्ष की औसत आयु वाले लोगों को शामिल किया गया

शोधकर्ताओं ने प्रतिभागियों की नींद की अवधि और गुणवत्ता को देखा। प्रतिभागियों ने अपने औसत की गणना करने के लिए, लगभग एक वर्ष के अंतराल पर, दो अवसरों पर लगातार

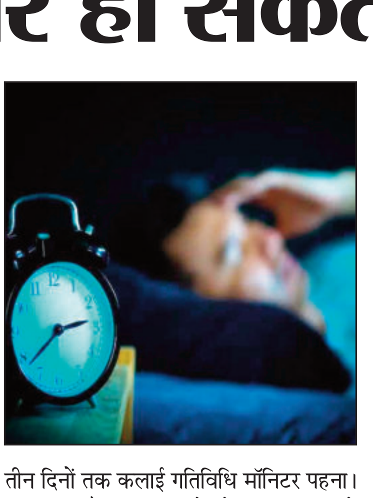

तीन दिनों तक कलाई गतिविधि मॉनिटर पहना। प्रतिभागी औसतन छह घंटे सोए प्रतिभागियों ने नींद की डायरी में सोने और जागने के समय की भी सूचना दी और शून्य से 21 तक के स्कोर के साथ नींद की गुणवत्ता सर्वेक्षण पूरा किया, जिसमें उच्च स्कोर खराब नींद की गुणवत्ता का संकेत देते हैं। कुल 239 लोगों या 46 प्रतिशत ने पांच से अधिक स्कोर के साथ खराब नींद की सूचना दी प्रतिभागियों ने स्मृति और सोच परीक्षणों की एक श्रृंखला भी पूरी की।

सबसे अधिक बाधित नींद वाले 175 लोगों में से, 10 साल बाद 44 लोगों का संज्ञानात्मक प्रदर्शन खराब था, जबकि सबसे कम बाधित नींद वाले 176 लोगों में से 10 की तुलना में।उम्र, लिंग, नस्ल और शिक्षा के आधार पर समायोजन करने के बाद, जिन लोगों की नींद सबसे अधिक बाधित हुई, उनमें सबसे कम बाधित नींद वाले लोगों की तुलना में खराब संज्ञानात्मक प्रदर्शन होने की संभावना दोगुनी से भी अधिक थी। सबसे कम बाधित नींद वाले समूह की तुलना में मध्य समूह के लोगों के मध्य जीवन में संज्ञानात्मक प्रदर्शन में कोई अंतर नहीं था।लेंग ने कहा, "जीवन के विभिन्न चरणों में नींद की गड़बड़ी और अनुभूति के बीच संबंध का आकलन करने और यह पहचानने के लिए और अधिक शोध की आवश्यकता है कि क्या महत्वपूर्ण जीवन काल मौजूद हैं जब नींद अनुभूति के साथ अधिक मजबूती से जुड़ी होती है।"

सोशल मीडिया खत्म कर देगा आपकी ये पावर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

सोशल मीडिया का क्रेज आज के समय में युवा नहीं हर एक उम्र के लोगों में देखा जा रहा है. फिर चाहे वो छोटा बच्चा हो या बुजुर्ग हर किसी को फोन चलाने की लत पड़ गई है. हर कोई किसी ना किसी सोशल मीडिया प्लेटफार्म से जुड़ा है. लेकिन क्या आप जानते हैं कि यह मेंटल हेल्थ के लिए बेहद खतरनाक है. हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक, सोशल मीडिया डिप्रेशन, टेंशन अकेलापन और खुद को नुकसान पहुंचाने वाले निगेटिव थॉट्स को कई गुना बढ़ा सकता है. ऐसे में इससे बचने के लिए क्या किया जाना चाहिए. चलिए जानते हैं...

सोशल मीडिया का उपयोग 30 मिनट कम

आज के समय में सोशल मीडिया लोगों के जीवन का एक अभिन्न अंग बन गया है. ज्यादातर लोग सुबह उठते ही फोन में घंटे बिताते हैं. दिनभर और रात में सोने से पहले भी सोशल मीडिया पर कुछ ना कुछ देखते ही रहते हैं. इसका मानसिक स्वास्थ्य (Social Media Effect Mental Health पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है. ताजा स्टडी में खुलासा हुआ है कि अगर सोशल मीडिया का उपयोग हर दिन केवल 30 मिनट तक कम किया जाएगा तो इससे मानसिक स्वास्थ्य दुरुस्त रहेगा. इतना ही नहीं नौकरी से संतुष्टि और प्रतिबद्धता को बेहतर बनाने में भी मदद मिलेगी. वहीं इसका लगातार इस्तेमाल करने से लोगों का काम में ध्यान लगाना मुश्किल हो जाता है.

स्टडी में क्या खुलासा हुआ?

बिहेवियर एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन के मुताबिक, इन संबंधों का पता लगाने के लिए एक प्रयोग शुरू किया. जिसमें 166 लोगों ने भाग लिया और इन्हें दो हिस्सों में बांटा गया. एक समूह ने अपनी सोशल मीडिया आदतों को बदला और सोशल मीडिया पर हर दिन 30 मिनट कम बिताए, वहीं दूसरे समूह ने अपनी आदतें नहीं बदलीं. इसका रिजल्ट यह निकला कि जिन लोगों ने बदलाव किया उनकी नौकरी की संतुष्टि और मानसिक स्वास्थ्य में काफी सुधार हुआ. इन्हें काम करने में बोझ भी कम लगा.

ACS राधा रतूड़ी ने मानसखण्ड मंदिर माला मिशन के कार्यों की समीक्षा की

मानसखण्ड मंदिर माला मिशन के तहत आने वाले मंदिरों से.अन्य राज्यों के श्रद्धालुओं और पर्यटकों को जोड़ने

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 12 जनवरी, अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने जानकारी दी है कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के विजन के अनुरूप मानसखण्ड मंदिर माला मिशन के तहत आने वाले मंदिरों से.अन्य राज्यों के श्रद्धालुओं और पर्यटकों को जोड़ने के लिए 15 अप्रैल से एक रेल सेवा मानसखण्ड एक्सप्रेस प्रारम्भ किये जाने पर कार्य चल रहा है। यह रेल सेवा कोलकाता से टनकपुर तक संचालित की जाएगी। श्रद्धालुओं और पर्यटकों की सुविधा के लिए टनकपुर से पूर्णागिरी, हाटकालिका, पाताल भुवनेश्वर, जागेश्वरधाम, गोल्ज्यू देवता मंदिर, नन्दा देवी, कैंची धाम आदि मानसखण्ड मंदिर माला के अन्य मंदिरों तक स्थानीय बस व अन्य परिवहन सेवाओं को संचालित किया जाएगा। केएमवीएन के अतिथि गृह, होम स्टे, स्थानीय होटल आदि तथा हुनर योजना के तहत प्रशिक्षित स्थानीय गाइड्स पर्यटकों के आतिथ्य में सहयोग करेंगे।

पर्यटकों की वापसी के लिए काठगोदाम से कलकता के लिए रेल सेवा उपलब्ध रहेगी। सचिवालय में मानसखण्ड मंदिर माला मिशन के कार्यों की समीक्षा के दौरान एसीएस श्रीमती राधा रतूड़ी ने लोक निर्माण विभाग को मानसखण्ड

- 15 अप्रैल से कोलकाता से टनकपुर रेल सेवा मानसखण्ड एक्सप्रेस प्रारम्भ किये जाने की योजना
- मानसखण्ड मंदिर माला मिशन के तहत मंदिरों को जोड़ने वाली अप्रोच रोड्स के चौड़ीकरण कार्य को जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश
- संस्कृति विभाग को राज्य की ऐतिहासिक विरासतों, मंदिरों आदि के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु हेरीटेज एक्ट पर कार्य करने के निर्देश

मंदिर माला मिशन के तहत मंदिरों को जोड़ने वाली अप्रोच रोड्स के चौड़ीकरण कार्य को जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए हैं।बैठक में एसीएस राधा रतूड़ी को पर्यटन विभाग द्वारा जानकारी दी गई कि मानसखण्ड मंदिर माला मिशन के तहत चिह्नित कुमाऊँ मण्डल के सभी 16 मंदिरों के अलग-अलग मास्टर प्लान अनुमोदित हो चुके हैं। इनमें से 9 मंदिरों की डीपीआर तैयार हो चुकी है। इनमें से अधिकांश मंदिरों का शिलान्यास जल्द हो जाएगा। मंदिरों के सौन्दर्यीकरण एवं विकास का कार्य कलस्टर

अप्रोच के साथ किया जा रहा है।

एसीएस रतूड़ी ने मानसखण्ड मंदिर माला मिशन के तहत आने वाले सभी मंदिरों सौन्दर्यीकरण के साथ ही इनसे जोड़ने वाली अप्रोच रोड के चौड़ीकरण के कार्यों को भी साथ-साथ जल्द पूरा करने के निर्देश दिए हैं। लोक निर्माण विभाग को सिंगल लाइन सड़कों को डबल लाइन में बदलने के कार्यों को जल्द समाप्त करने के निर्देश जारी हुए हैं।अपर मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने संस्कृति विभाग को राज्य की ऐतिहासिक विरासतों, मंदिरों आदि के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु हेरीटेज एक्ट पर कार्य करने के निर्देश दिए हैं। बैठक में सचिव सचिन कुर्वे सहित संस्कृति, लोक निर्माण विभाग, पर्यटन विभाग के उच्च अधिकारी उपस्थित थे।

रजनी भंडारी मामले में न्याय की लगाएंगे गुहार : यशपाल आर्य

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 12 जनवरी, मौजूदा रजनी भंडारी मुद्दे पर अब कांग्रेस अटैकिंग मूड में आ गयी है। अनुभवी लीडर और विपक्ष के नेता यशपाल आर्य ने बीजेपी पर बड़ा हमला करते हुए कहा कि जिन 2012-13 के आरोपों के तहत जिला पंचायत अध्यक्ष रजनी भंडारी को पद से हटाया गया था उस पर पूर्व में दो बार चमोली जिलाधिकारी द्वारा की गई जांच में कोई भी वित्तीय अनियमितता नहीं पाई गई। बदले की भावना, हाईकोर्ट में पराजित हो गई लेकिन अब पुनः सरकार ने चमोली जिला पंचायत निर्वाचित अध्यक्ष रजनी भंडारी को राजनीतिक द्वेष भावना से ग्रसित होकर अनियमितताओं का आरोप लगाकर अध्यक्ष पद से हटा दिया हैनेता विपक्ष यशपाल आर्य ने कहा कि मुख्यमंत्री को अपनी सरकार के इस निर्णय पर फिर से विचार करना चाहिए।

बदले की भावना, सरकार और राज्य के लिए उचित नहीं है। हालांकि उन्होंने ये भी कहा कि उनकी पार्टी एक बार फिर न्यायालय की शरण में जाकर इस अनुचित कार्यवाही के ख़िलाफ़ न्याय की गुहार लगाएगी। कांग्रेस पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता लोकतंत्र को नष्ट करने की भाजपा की इस द्वेषपूर्ण कार्यवाही में मज़बूती से उनके साथ रहेगा।

दून अस्पताल के डॉक्टर्स ने की जटिल हार्ट सर्जरी, बचाई दो जान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 12 जनवरी, उत्तराखंड के लिए बड़ी खबर है जहाँ राजधानी के सबसे बड़े सरकारी दून मेडिकल कालेज चिकित्सालय के चिकित्सकों ने एक गर्भवती महिला की मुश्किल हार्ट सर्जरी को सफल बनाते हुए एक साथ दो जानें बचाई हैं। आपको बता दें कि उत्तराखंड में यह इस तरह का यह पहला मामला बताया जा रहा है। हार्ट सर्जरी के चार घंटे बाद सिजेरियन डिलीवरी हुई। अभी जच्चा-बच्चा दोनों स्वस्थ हैं।जानकारी के अनुसार, आठ माह की गर्भवती रबिया देवी को सांस फूलने की समस्या पर अस्पताल लाया गया था। कार्डियोलाजिस्ट ने जांच कर उनके वाल्व में सिकुड़न का पता लगाया। जिसको सीवियर माइट्रल स्टेनोसिस कहा जाता है। इस बीमारी का गर्भावस्था में इलाज काफी जोखिमभरा होता है।

ऐसी स्थिति में या तो बलून विधि से उपचार किया जाता है या ओपन हार्ट सर्जरी होती है। आपरेशन में किसी भी तरह की ऊंच-नीच से बच्चे एवं मां, दोनों की जान को खतरा हो सकता है।इस बीमारी के इलाज के पहले सामान्य प्रसव या सिजेरियन आपरेशन संभव नहीं था। स्त्री रोग विशेषज्ञ की सलाह के बाद बलून विधि से आपरेशन का फैसला लिया गया। एक घंटे चले आपरेशन में बिना चीरा लगाए व बिना बेहोशी की

दवा दिए सफलतापूर्वक बलून माइट्रल वाल्वोटामी आपरेशन किया गया।

महिला को तुरंत आराम आया और चार घंटे बाद सिजेरियन किया गया। कार्डियोलाजिस्ट डा. अमर उपाध्याय ने बताया कि गर्भावस्था की वजह से हार्ट की फ्लोरोस्कोपिक एनाटामी में काफी बदलाव आ जाता है। प्रोसीजर जल्दी करना पड़ता है, ताकि मां पर फिजियोलाजिकल स्ट्रेस और बच्चे पर विकिरण का प्रभाव कम पड़े। प्राचार्य डा. आशुतोष सयाना, चिकित्सा अधीक्षक डा. अनुराग अग्रवाल व उप चिकित्सा अधीक्षक डा. धनंजय डोभाल ने चिकित्सक व सहयोगी स्टाफ को बधाई दी है। उनका कहना है कि अस्पताल में तमाम सुविधाएं व संसाधन बढ़ाए जा रहे हैं। ताकि लोगों को एक छत के नीचे सभी तरह की स्वास्थ्य सुविधाएं मिल जाएं।

औली के बाद अब क्वांरीपास बना पर्यटकों की पसंद

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 12 जनवरी : पर्यटन गतिविधियों के लिए प्रसिद्ध जोशीमठ क्षेत्र में अब क्वांरीपास पर्यटकों का नया डेस्टिनेशन बनता जा रहा है। औली व गोरसों के बाद क्वांरीपास में बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंच रहे हैं। हालांकि यहां आने के लिए पर्यटकों को नंदा देवी राष्ट्रीय पार्क प्रशासन से अनुमति लेनी पड़ती है।पिछले साल अप्रैल माह से अब तक यहां 4519 पर्यटक पहुंचे हैं। वहीं अभी पर्यटकों के यहां पहुंचने का सिलसिला हर दिन बना हुआ है। जोशीमठ क्षेत्र में पर्यटकों की पहली पसंद औली और गोरसों रहते हैं। मगर अब धीरे-धीरे क्वांरीपास में भी पर्यटन गतिविधियां बढ़ने लगी हैं। क्वांरीपास का ट्रैक औली और गोरसों के मुकाबले कठिन है। क्वांरीपास जाने के लिए नंदा देवी राष्ट्रीय पार्क प्रशासन से अनुमति लेनी पड़ती है। इस क्षेत्र में पहुंचने के लिए दो रास्ते हैं। पहला औली से गोरसों होते हुए क्वांरीपास पहुंचा जा सकता है लेकिन बर्फबारी के समय यह ट्रैक काफी मुश्किल हो जाता है। दूसरा रास्ता ढाक गांव से तुगासी होकर जाता है। यहां तुगासी तक वाहन से पहुंचने के बाद करीब आठ किमी दूर क्वांरीपास है।औली में जहां बर्फ पिघल गई थी वहीं क्वांरीपास में पर्यटकों को अच्छी बर्फ मिली है। स्थानीय पर्यटन व्यवसायी दिनेश भट्ट ने बताया कि इस साल औली में कम बर्फ पड़ी है जिससे पर्यटकों ने बड़ी संख्या में क्वांरीपास का रुख किया। यहां पर्यटकों को कई जगहों पर करीब एक फीट तक बर्फ मिली।

अदनान अशरफ 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' की कोऑर्डिनेशन कमेटी के सदस्य नियुक्त

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नई दिल्ली। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने ₹भारत जोड़ो न्याय यात्रा₹ के लिए कोऑर्डिनेशन कमेटी गठित की है कांग्रेस के तेज़ तर्रार सांसद इमरान प्रतापगढ़ी ने नोटिफिकेशन जारी करके 16 सदस्यों वाली इस कमेटी को मंजूरी दी है इस कमेटी में कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग ने मीडिया इंचार्ज और नेशनल कॉर्डिनेटर अदनान अशरफ को भी सदस्य बनाया गया है। अदनान अशरफ ने बताया कि युवा दिलो की धड़कन कांग्रेस नेता राहुल गांधी 'भारत जोड़ो यात्रा' के बाद अब 'भारत न्याय' यात्रा शुरू करने जा रहे हैं अदनान अशरफ ने बताया कि ये यात्रा पूरब से पश्चिम यानी मणिपुर से मुंबई तक होगी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे न्याय यात्रा को इंफाल में हरी झंडी दिखाकर शुरू कराएंगे तथा 14 जनवरी से शुरू होने वाली यह यात्रा 20 मार्च तक चलेगी।

कांग्रेस अध्यक्ष और इमरान प्रतापगढ़ी के विश्वास पर उतरूंगा खरा

अदनान ने बताया कि राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो' यात्रा ठीक एक साल पहले ख़त्म हुई थी इसके तहत उन्होंने कन्याकुमारी से लेकर कश्मीर तक की पैदल यात्रा की थी और अब उसी की दूसरी कड़ी ₹भारत जोड़ो न्याय यात्रा₹ के दौरान राहुल गांधी 14 राज्यों के 85 ज़िलों से गुजरेंगे और यात्रा मणिपुर से शुरू होकर नगालैंड,असम,मेघालय, पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश,मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात से गुजरते मुंबई पर समाप्त होगी और हमारा विभाग इमरान प्रतापगढ़ी के नेतृत्व में ₹भारत जोड़ो यात्रा₹ की तरह ही ₹भारत जोड़ो न्याय यात्रा₹ की कामयाबी के लिए भी दिन रात एकजुट होकर काम करेगा। उन्होंने कहा कि इस महत्वपूर्ण कमेटी में जगह देने के लिए मल्लिकार्जुन खड़गे,राहुल गांधी,इमरान प्रतापगढ़ी,के सी वेणुगोपाल और के राजू का शुक्रगुजार रहूंगा और यात्रा के लिए मुझे जो जिम्मेदारी दी गई है उसको पूरी निष्ठा लगन के

साथ पूरा करूंगा क्योंकि इस यात्रा का उद्देश्य भारत को एकजुट करना है और सबको साथ मिलकर देश को मज़बूत करना है।

प्राइवेसी से नहीं होगी छेड़छाड़, Google लाया गजब का फीचर !

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 12 जनवरी , अब कोई भी वेबसाइट किसी की प्राइवेसी में सेंध नहीं लगा पाएंगी। इसके लिए Google क्रोम ब्राउजर में नया फीचर जुड़ गया है। यह फीचर थर्ड-पार्टी कुकीज को डिसेबल करने का काम करता है। दरअसल, कुकीज छोटी फाइल्स होती हैं जो आपके डिवाइस में स्टोर हो जाती हैं। ये एनालिटिक डेटा कलेक्ट कर ऑनलाइन एड्स को पर्सनलाइज और ब्राउजिंग को मॉनिटर करती है। शुरुआत में गूगल क्रोम ब्राउजर का नयाफीचर सिर्फ 1 प्रतिशत ग्लोबल यूजर्स यानी करीब 30 मिलियन लोगों के लिए ही उपलब्ध है।

सभी यूजर्स के लिए कब आएगा गूगल क्रोम का नया फीचर

बताया जा रहा है कि गूगल का यह फीचर अभी टेस्टिंग फेज में है। साल के अंत तक कुकीज को हटाने के लिए फुल रोलआउट का कंपनी प्लान कर रही है। इसे लेकर कुछ एवर्टाइजर का यह भी कहना है कि इससे उन्हें काफी नुकसान हो सकता है। बता दें कि गूगल क्रोम दुनिया का सबसे पॉपुलर इंटरनेट ब्राउजर है। नए फीचर को लेकर गूगल का कहना है कि रैंडमली सेलेक्ट किए गए यूजर्स से पूछा जाएगा कि क्या वे ज्यादा प्राइवेसी के साथ ब्राउजिंग करने की सोच रहे हैं। कंपनी ने बताया कि Chrome से थर्ड पार्टी कुकीज को कई फेज में खत्म करने की दिशा में काम कर रहे हैं।

अस्थाई री-इनेबल का ऑप्शन

गूगल की तरफ से बताया गया कि अगर कोई वेबसाइट थर्ड-पार्टी कुकीज के बिना काम नहीं करती है और क्रोम नोटिस कर रहा है कि इससे परेशानी बढ़ रही है तो आप उस वेबसाइट्स के लिए थर्ड-पार्टी कुकीज को अस्थायी रूप से री-इनेबल कर सकेंगे। गूगल का कहना है कि वो इंटरनेट को ज्यादा प्राइवेट बनाने पर तेजी से काम कर रहा है। हालांकि, ये भी सच है कि कई वेबसाइट्स कुकीज विज्ञापन बेचने पर ही पूरी तरह निर्भर हैं। इससे उ्हें नुकसान भी हो सकता है।

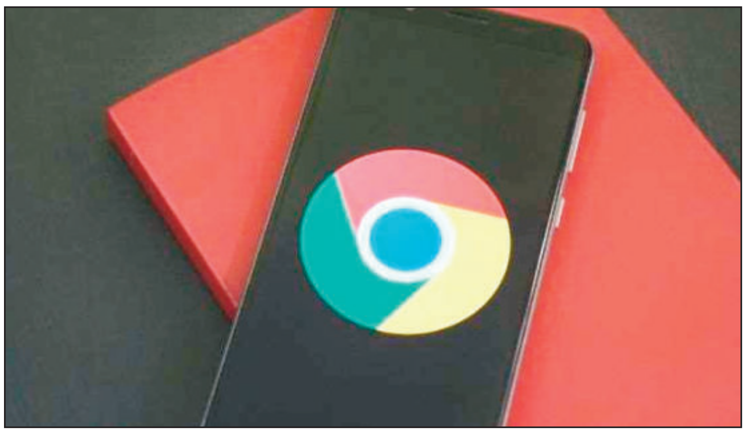

कैसे तय होता है दुनिया का 'समय' जानिए जितने देश, उतना समय

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

सब देशों का अलग टाइम जोन क्यों है?

ब्यूरो रिपोर्ट , 12 जनवरी , ये तो आप जानते हैं कि धरती सौर मंडल में सूरज का चक्कर लगा रही है. साथ ही वो अपने एक्सिस पर भी 24 घंटे घूमती रहती है. सूरज का चक्कर लगाने से साल बदलता है. और एक्सिस पर घूमने से धरती पर दिन और रात होती है. मगर धरती का आकार इतना बड़ा है कि एक समय पर यहां एक जगह दिन, तो दूसरी जगह रात होती है. देशों के अलग-अलग टाइम जोन होने की मूल वजह यही है. क्योंकि समय को सूर्य की पोजिशन के हिसाब से सेट किया जाता है. इसलिए अलग-अलग जगह अलग-अलग समय पर सूरज उगने से टाइम बदल जाता है.

कैसे शुरू हुआ टाइम जोन का फंडा?

पहले तो यह इतनी दिक्कत नहीं होती थी. लेकिन बाद में रेल चलने लगी. जिससे इंसान कुछ घंटों में एक कोने से दूसरे कोने तक पहुंचने लगें. इसी के साथ लोगों में समय की कन्फ्यूजन शुरू हो गई. यात्रियों की ट्रेन छूटने लगी और रेलवे भी ढंग से ट्रेनों को प्लान नहीं कर पा रहा था. उदाहरण के लिए कोई शख्स अगर सुबह 7 बजे अपने स्टेशन से निकलता. तो 2 घंटे के सफर के बाद, वो जहां पहुंचता वहां का समय केवल सुबह 8 ही होता. इस सब से काफी परेशानी होती थी.

किसने बनाया टाइम जोन ?

टाइम जोन बनाने का श्रेय कनाडाई रेलवे के

लिए एक इंजीनियर को दिया जाता है. नाम था सर सैनफोर्ड फ्लेमिंग. अलग-अलग टाइम की परेशानी से एक बार इनकी भी ट्रेन छूट गई थी. तब इनको स्टैंडर्ड टाइम बनाने का विचार आया.

उन्होंने सुझाव दिया कि दुनिया को 24 टाइम जोन में बांट दिया जाए. इन सब में 15 डिग्री लॉन्गिट्यूड की बराबर की दूरी होती. हर 15 डिग्री की दूरी में एक घंटे का अंतर होता. मगर अब भी यह दिक्कत थी कि 24 समय क्षेत्रों को बांटते समय मैप का केंद्र बिंदु किसे माना जाए. इसी को तय करने के लिए 1884 में अंतर्राष्ट्रीय प्राइम मेरिडियन सम्मेलन बुलाया गया. इस सम्मेलन में ग्रीनविच, इंग्लैंड को प्राइम मेरिडियन चुना गया. प्राइम मेरिडियन मतलब मैप का केंद्र बिंदु. ग्रीनविच को 0 डिग्री रखा गया. इस हिसाब से जब हम पूर्व की ओर जाते हैं तो टाइम बढ़ता है. वहीं, जब ग्रीनविच से पश्चिम की ओर जाते हैं तो टाइम घटता है. दुनिया के कई देशों ने ग्रीनविच को प्राइम मेरिडियन मानकर अपने देश की घड़ियों का समय सेट किया था.

भारत का टाइम जोन

भारत का सबसे पहला टाइम जोन ब्रिटिश राज में 1884 में अपनाया गया था. आजादी से पहले भारत में तीन टाइम जोन होते थे- बॉम्बे, कलकत्ता और मद्रास. यानी कि अगर कोई बॉम्बे से मद्रास जाता था तो उसे दो बार अपनी घड़ी का समय बदलना पड़ता था. तकनीकी रूप से तो भारत का क्षेत्रफल दो ज्योग्राफिकल टाइम जोन में फैला हुआ है. मगर भारत में सिर्फ एक टाइम जोन यानी इंडियन स्टैंडर्ड टाइम (आईएसटी) माना जाता है.1905 में मिर्ज़ापुर(82°33'पूर्व), उत्तरप्रदेश से गुजरने वाली रेखा को पूरे देश के लिए स्टैंडर्ड टाइम चुना गया. इसे ही 1947 में इंडियन स्टैंडर्ड टाइम घोषित किया गया था. हालांकि, कलकत्ता टाइम जोन का इस्तेमाल 1948 तक और बॉम्बे टाइम जोन का 1955 तक इस्तेमाल किया जाता था.

कहीं नकली पानी तो नहीं पी रहे हैं आप?

ब्यूरो रिपोर्ट 12 जनवरी : पहले के समय में हर कुछ प्राकृतिक होता था. लोगों को प्यास लगती थी तो बड़े आराम से किसी नदी या कुएं का पानी पी लेते थे. लेकिन समय के साथ इंसान ने तरक्की के नाम पर काफी प्रदूषण फैला दिया. इसका नतीजा हुआ कि नदी-नाले का पानी दूषित हो गया. अब तो घर पर आने वाला पीने का पानी भी पूरी तरह से सुरक्षित नहीं माना जाता. हर घर में आरओ लगाए जाने के बाद भी दूषित पानी की समस्या देखने को मिल रही है.

पहले बाहर जाते वक्त लोग घर से ही अपने लिए पीने का पानी लेकर जाते थे. लेकिन अब पैकेज्ड वाटर काफी पॉपुलर हो गया है. आप दस या बीस रुपए में एक लीटर पानी की बोतल खरीद कर अपनी प्यास बुझा सकते हैं. लेकिन जैसा कि इंसान की फितरत है, उसने इसमें भी लालच करना शुरू कर दिया. अब कई लोग मिनरल वॉटर के नाम पर दूषित पानी ही बोतल में भरकर बेचने लगे हैं. इस पानी को हम मिनरल वॉटर समझ पी लेते हैं लेकिन ये फायदे की जगह नुकसान ही पहुंचाता है.सोशल मीडिया पर एक फोटो शेयर किया गया, जिसमें ये बताया गया कि कैसे हम चेक कर सकते हैं कि हमारे द्वारा खरीदा गया पानी असली है या नकली. जी हां, आजकल कई लोग बोतलों में गंदा पानी ही भरकर मिनरल वाटर के नाम पर बेचने लगे हैं. इस पानी को पीने से आपको नुकसान होगा लेकिन इसकी कीमत मिनरल वॉटर जितनी ही होती है. ऐसे में ये सवाल उठता है कि हमें कैसे पता चलेगा कि जो पानी हम खरीद रहे हैं वो असली है या नकली।

अगर आप ये पता करना चाहते हैं कि जो पानी आप खरीद रहे हैं वो असली है भी या नहीं तो इसे आप एक ऐप के जरिये चेक कर सकते हैं. आपको अपने मोबाइल में BISCARE नाम का ऐप डाउनलोड कर लें. इसे खोलने के बाद इसके वेरीफाई लाइसेंस डिटेल सेक्शन में जाएं. बोतल के ऊपर एक कोड लिखा होता है. उसे ऐप में डालें और इसके बाद आपको उस बोतल की सारी डिटेल मिल जाएगी. बोतल कहां पैक हुई है, इसका पानी मिनरल वॉटर है या नहीं, ये सब आपको पता चल जाएगा।

IPS अरुण मोहन जोशी कैसे बने देश के यंगेस्ट IG

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

12 जनवरी , जिस उम्र में युवा कुछ बनने का सपना बुनता है उस उम्र में चकराता के जोशी परिवार का अरुण पिता के दिखाए रास्ते पर अपने लक्ष्य की ओर बढ़ रहा था। पहाड़ की यही तो खूबी है कि जूनून यहाँ के लोगों में बेशुमार नज़र आता है तभी तो केवल 23 साल की उम्र में अरुण मोहन के कंधे पर आईपीएस का सितारा चमकने लगा था और वो चकराता का बेटा बन चुका था आईपीएस अरुण मोहन जोशी ....

चकराता के होनहार ने किया कमाल

यही नहीं कामयाबी का ये सिलसिला सालों बाद फिर रिकॉर्ड बना रहा था जब 2024 में नए साल का पहला सूरज उनकी जिंदगी में अहम उपलब्धि लेकर आया और आईपीएस अरुण मोहन जोशी नए साल के पहले दिन देश के सबसे कम उम्र के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) बन गए । युवा अफसर को इससे भला और बेहतर मौका क्या मिलता जब प्रदेश के युवा मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अपने हाथों से उन्हें आईजी के बैच पहनाए।

अरुण मोहन जोशी का जन्म उत्तराखंड के जौनसार बावर क्षेत्र के चकराता में एक छोटे से गांव मुंधौल में हुआ था. उन्होंने आईआईटी रुड़की से इंजीनियरिंग की पढ़ाई की थी. उनका परिवार मध्यम वर्गीय था. उनके पिता की सरकारी नौकरी थी, जिसके कारण उन्हें बार-बार ट्रांसफर होते रहते थे. उनके तीन भाई और एक बहन हैं, जिनमें से अरुण मोहन जोशी ही आईपीएस बने हैं

पुलिस डिपार्टमेंट में जाने की इच्छा थी।

अरुण मोहन जोशी बताते हैं कि उन्हें बचपन से ही अपने भविष्य का कोई ठोस इरादा नहीं था। उन्हें 9वीं कक्षा तक यह पता नहीं था कि उन्हें आगे क्या करना है। उनके घर का माहौल भी ऐसा नहीं था कि वे अपने लक्ष्यों के बारे में गहराई से सोच सकें। उन्हें धीरे-धीरे अपने रुचि का पता चला और वे आईपीएस ऑफिसर बनने का फैसला किया। उन्होंने इसका श्रेय अपने पिता को दिया है।

मां के देहांत के बाद पिता ने की परवरिश

अरुण मोहन जोशी बताते हैं कि उनकी मां का देहांत बचपन में ही हो गया था। उन्हें मां का प्यार नहीं मिल सका, लेकिन पिता ने उन्हें हर पल साथ दिया। उनकी एक छोटी बहन भी थी, जो उनकी देखभाल करती थी। वे गांव के एक छोटे से मकान में रहते थे। उनके पिता ने उन्हें हमेशा एक दोस्त की तरह समझा। अरुण मोहन जोशी कहते हैं कि जब वे आईआईटी रुड़की में पढ़ने गए, तो उन्हें पता चला कि उनके साथी विभिन्न क्षेत्रों में जाना चाहते थे। तब भी उनके पिता ने उन्हें पुलिस में जाने का प्रोत्साहन दिया। उन्होंने पिता की बात मानी और पुलिस डिपार्टमेंट में शामिल हो गए।

यहां शराब पीते वक्त चीयर्स करना है गुनाह

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 12 जनवरी : दुनिया के ज्यादातर देशों में शराब पी जाती है। सभी को पता है कि शराब पीना सेहत के लिए नुकसानदायक है, लेकिन इसके बावजूद लोग अल्कोहल का सेवन करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि कुछ देशों में शराब पीने की अजीबोगरीब परंपरा है। किसी देश में चीयर्स करना गुनाह है, तो किसी देश में लोग शराब जूते में पीते हैं। आज हम आपको उन देशों के बारे में बताते हैं, जहां पर शराब पीने की अजीब परंपरा है।

भारत समेत दुनिया के अलग-अलग देशों में शादी की अपनी मान्यताएं होती हैं। हालांकि एक ऐसा देश जहां पर वाइन के बिना शादी नहीं होती है। नाइजीरिया में शादी के समय दुल्हन को पिता एक कप में वाइन देता है। इसके बाद लड़की शादी में आए मेहमानों के सामने अपने पति को

ग्लास देती है। जब लड़की होने वाले पति को अपना ग्लास दे देती है, तब वो शादी मानी जाती है। शादी में लड़की वालों की तरफ से वाइन नहीं लाया जाता है, तो शादी पूरी नहीं मानी जाती है। जब लोग एक पार्टी या कहीं पर साथ में शराब का सेवन करते हैं, तो चीयर्स बोलकर शुरुआत करते हैं। हालांकि हंगरी में चीयर्स करना अपराध माना जाता है। हंगरी में शराब पीने से पहले चीयर्स बोलना बहुत खराब माना जाता है। इसके पीछे एक खास वजह है दरअसल साल 1849 में ऑस्ट्रेलियाई सैनिकों ने हंगरी के कुछ क्रांतिकारियों की हत्या कर दी थी, जिसके बाद ऑस्ट्रेलिया के सैन्य अधिकारियों ने गिलास को टकराते हुए चीयर्स शब्द का प्रयोग किया था। इसके बाद यहां के स्थानीय लोग इसे अच्छा नहीं मानते हैं। भारत में शादी में जूता चुराई की रस्म बहुत प्रसिद्ध है। इस रस्म में दूल्हा जूता चुराने वाले को कुछ पैसा देता है, तो वो जूता वापस कर देता है। हालांकि यूक्रेन में शादी के दौरान दुल्हन की जूती चुराई जाती है।

क्या आपको भी है रात में जागने की आदत, जान लें इसके नुकसान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 12 जनवरी : अक्सर आपने लोगों को कहते सुना होगा कि मैं तो नाइट आउल हूं, यानी वे लोग जो रात में जागकर काम या मूवी आदि देखना पसंद करते हैं। आजकल अधिकतर लोग खासकर यंगस्टर रात में जागते हैं। कई बार ऑफिस के काम की वजह से भी लोग रात में जागकर उसे पूरा करने की कोशिश रहते हैं। ऐसे में लोग पर्याप्त नींद भी नहीं ले पाते हैं, जिसका असर उनकी सेहत पर पड़ता है।सेहत को लेकर ऐसी लापरवाही कई बीमारियों को जन्म देती है। स्वस्थ रहने के लिए कम से कम 7-8 घंटे की नींद सोना चाहिए। इससे कम सोने वाले लोगों को मोटापा, चिड़चिड़ापन, सिरदर्द आदि की समस्याओं से जूझना पड़ता है। अगर आप भी ये गलती करते हैं, तो आपको बता दें कि आप अपनी सेहत के साथ कितना बड़ा खिलवाड़ कर रहे हैं।पर्याप्त नींद नहीं लेने से आयु कम होती है। दक्षिण कोरिया में 16 सालों तक किए गए एक शोध के अनुसार जो लोग रात में ज्यादा देर जागना पसंद करते थे, उन्हें कम उम्र में ही अपनी जान से हाथ गंवाना पड़ा। यह शोध 40 से 69 उम्र के लोगों के बीच में किया गया था जो लोग रात में ज्यादा देर तक जागते हैं, उन्हें मेमोरी लॉस, डिसीजन मेकिंग आदि में समस्या का सामना करना पड़ता है। देर से सोने वाले लोगों में मूड स्विंग भी देखे जा सकते हैं।जो लोग रात में ज्यादा देर तक जागते हैं, उन्हें मेमोरी लॉस, डिसीजन मेकिंग आदि में समस्या का सामना करना पड़ता है। देर से सोने वाले लोगों में मूड स्विंग भी देखे जा सकते हैं। जो लोग रात में पर्याप्त नींद नहीं लेते हैं, उन लोगों की इम्युनिटी लो रहती है, जिससे वे जल्द बीमार पड़ते हैं। इसलिए रात में पर्याप्त नींद लें ताकि शरीर स्वस्थ रहे।

दिन में ज्यादा सोने से काला मोतियाबिंद का खतरा : रिचर्स

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 12 जनवरी : रात में भरपूर नींद न ले पाना, दिन में नींद आना और खर्राटे भरने से आंखों पर बुरा असर पड़ता है। लंबे समय तक यह समस्या होने पर ग्लूकोमा (काला मोतियाबिंद) होने का जोखिम बढ़ जाता है। समय पर इलाज न मिल पाने से दृष्टिहीनता का भी खतरा बढ़ जाता है ग्लूकोमा के कारण आंखों की रोशनी चले जाने के बाद दोबारा नहीं लौटती है। शोधकर्ताओं ने बताया है कि भरपूर नींद न लेने की स्थिति में यह किसी भी उम्र के लोगों को हो सकता है।बुजुर्गों विशेषकर पुरुषों धूम्रपान करने वालों में यह आम समस्या है। बीएमसी ओपन जर्नल में प्रकाशित शोध में ब्रिटेन के बायो बैंक अध्ययन में भाग लेने वाले 4 लाख से ज्यादा लोगों के डेटा का आकलन किया गया। इस स्टडी में 40 से 69 आयु वर्ग के लोगों को शामिल किया गया था। अध्ययन में शामिल लोगों से उनकी नींद की आदतों के बारे में जानकारी जमा की गई।

2010 से 2021 तक चले इस अध्ययन के दौरान 8,690 मामलों की पहचान की गई। आंकड़ों के आधार पर शोधकर्ताओं ने पाया कि स्वस्थ नींद पैटर्न वाले लोगों की तुलना में खर्राटे और दिन की नींद में ग्लूकोमा का जोखिम 11% बढ़ गया। वहीं, अनिद्रा और छोटी या लंबी नींद लेने वालों में यह जोखिम 13% तक बढ़ गया था। अच्छी नींद न होने से निर्णय लेने की क्षमता, स्वभाव, सीखने की क्षमता और याददाश्त पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। शोधकर्ताओं के अनुसार, 2040 तक दुनिया भर में 11.2 करोड़ लोग ग्लूकोमा से प्रभावित हो सकते है।

गजब की टी-शर्ट, पहनते ही बताने लगेगी आपकी हार्टबीट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 12 जनवरी : दुनिया में हर दिन कुछ न कुछ अनोखा रिसर्च होता रहता है. इस रिसर्च में वैज्ञानिक कुछ ऐसी खोज ला देते हैं, जो हमारे आम जीवन को बहुत प्रभावित करती है. इन दिनों वैज्ञानिकों ने इंसानों के लिए एक ऐसी टी-शर्ट विकसित करने का दावा किया है, जो हमारी हार्टबीट सुनने में सक्षम है. यह टी-शर्ट हार्ट संबंधी सारी जानकारियों को रियल टाइम में बताएगी एक रिपोर्ट के अनुसार, यह विशेष टी-शर्ट ओके स्टिक फेब्रिक से बनाई गई है. यह इंसान के शरीर में माइक्रोफोन की तरफ काम करती है. जब इंसान इस टी-शर्ट को पहनेगा तो सबसे पहले यह टी-शर्ट ध्वनि को मैकेनिकल वाइब्रेशन में तब्दील करेगी. इसके बाद इसे इलेक्ट्रिक सिग्नल में परिवर्तित कर देगी. यह प्रक्रिया वैसी ही है, जैसे हमारे कान सुनते हैं. इसे पहनने वाला शख्स अपने दिल और श्वसन तंत्र की स्थिति को निरंतर, आरामदायक, रियल टाइम तथा लंबे समय तक मॉनिटर कर सकता है.रिपोर्ट के अनुसार, इस टी-शर्ट का कपड़ा पीजोइलेक्ट्रिक मटेरियल से बनाया गया है. यह मुड़ते ही एक इलेक्ट्रिक सिग्नल पैदा करेगा. यह इलेक्ट्रिक सिग्नल एक तरह से साधन का काम करेगा, जो साउंड वाइब्रेशन को इलेक्ट्रिक सिगनल में बदल देगा. रोड आइलैंड स्कूल ऑफ डिजाइन और MIT के इंजीनियर्स के अनुसार, टी-शर्ट को पहनने वाले की दिल की धड़कन की विशेषताओं का पता लग सकता है. अभी इस टी-शर्ट की कीमत तय नहीं की गई है. MIT के वेई यान ने बताया कि टी-शर्ट में इस्तेमाल की गई फेब्रिक मानव त्वचा के साथ इंटरफेस कर सकता है।

क्या पैसे से खुशी खरीद सकते हैं आप ? जानिए ताज़ा रिसर्च का जवाब

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 12 जनवरी , यह सदियों पुराना सवाल क्या पैसा खुशी खरीद सकता है? आज भी लोगों को सोचने और बहस करने पर मजबूर कर रहा है। लोग जब जीवन में वित्तीय सफलता के लिए प्रयास करते हैं, तो खुशी की खोज को अक्सर भौतिक धन के रूप में आंका जाता है। इसलिए, पैसे और खुशी के बीच के जटिल संबंध की खोज करके, कोई भी यह समझने की कोशिश कर सकता है कि वास्तव में हमारे जीवन को क्या परिपूर्ण और संतुष्ट बनाता है।

स्टडी- पैसे और खुशी का संबंध

शोधकर्ताओं डैनियल काहनेमन और मैथ्यू किलिंग्सवर्थ द्वारा हाल ही में किए गए एक संयुक्त अध्ययन ने आम धारणा को चुनौती दी है कि आय की एक निश्चित सीमा तक पहुंचने के बाद खुशियां ही खुशियां होती है। एक स्मार्टफोन ऐप का उपयोग करते हुए, दोनों ने 33,000 से अधिक प्रतिभागियों से डेटा एकत्र किया, जो दर्शाता है कि बढ़ती आय के साथ खुशी में वृद्धि होती है। अध्ययन ने निष्कर्ष निकाला गया कि कम आय वाले व्यक्ति उच्च आय वालों की तुलना में बढ़ी हुई आय से खुशी में अधिक लाभ का अनुभव करते हैं।

ये निकला निष्कर्ष

शोधकर्ताओं ने पाया कि अधिक धन वाले व्यक्तियों में अधिक सकारात्मक आत्म-धारणा होती है। भावनात्मक कल्याण भी आय के साथ बढ़ता है, लेकिन केवल 75,000 डॉलर के वार्षिक वेतन तक (आज के लिए समायोजित 90,000 डॉलर, जो लगभग 74 लाख रुपये है) इस बिंदु के अलावा, उच्च वेतन खुशी सूचकांक में महत्वपूर्ण रूप से योगदान नहीं करते हैं, जो पैसे और कल्याण के बीच संबंधों की सीमा का संकेत देता है। हालांकि, इन निष्कर्षों में विरोधाभास हैं। किलिंग्सवर्थ के 2021 के अध्ययन ने 500,000 डॉलर की आय तक की खुशी पर पैसे के सकारात्मक प्रभाव का सुझाव दिया जो लगभग 4 करोड़ होता है।

खुश रहने के लिए पैसा काफी नहीं

हार्वर्ड स्टडी ऑफ एडल्ट डेवलपमेंट द्वारा जोर दिया गया है, कि खुशी प्राप्त करने में संबंधों की भूमिका महत्वपूर्ण है। एक अच्छे जीवन के लिए संबंधों को आवश्यक माना जाता है, धन केवल एक सीमा तक ही आपको खुशियां दे पाती है। कुछ व्यक्ति अपने सामाजिक संबंधों और खुशी को बढ़ाने के लिए महंगी ट्रिप, म्यूजिक नाइट गेदरिंग जैसी एक्टिविटीज को भी प्राथमिकता देते हैं।

खुशी मन की अवस्था है

केवल पर्याप्त आय अर्जित करने से खुशी की गारंटी नहीं मिलती है। प्रसिद्ध अमेरिकी ईसाई प्रचारक बिली ग्राहम ने एक बार कहा था, ?जब धन खो जाता है, तो कुछ भी नहीं खोता है; जब स्वास्थ्य खोता है, तो कुछ थोड़ा सा नुकसान होता है; लेकिन जब व्यक्ति का चरित्र खो जाता है, तो उसका सब खो जाता है। इसलिए, जीवन में खुश रहने के लिए चरित्र और वित्तीय सफलता का साथ-साथ रहना बहुत जरूरी है...

भगवान राम, को क्यों कहा जाता है सूर्यवंशी ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 12 जनवरी , मर्यादा पुरषोत्तम श्रीराम राजा दशरथ और कौशल्या के सबसे बड़े पुत्र थे. सनातन धर्म में विश्वास रखने वाले प्रभु श्रीराम में अपनी भरपूर आस्था रखते हैं. हिंदू धर्म में धार्मिक पुस्तक और ग्रंथों में ऐसा उल्लेख मिलता है कि प्रभु श्रीराम भगवान विष्णु के 7वें अवतार थे. इन्हें सूर्यवंशी भी कहा जाता है. आखिर प्रभु श्रीराम को विष्णु का अवतार क्यों कहा जाता है और इनका सूर्यवंश से कैसा जुड़ाव है. भगवान राम को मानव रूप में पूजे जाने वाले सबसे पुराने देवता माना जाता है. बता दें कि भगवान राम का जन्म त्रेता युग में हुआ था. ऐसा माना जाता है कि त्रेता युग आज से 1,296, 000 साल पहले समाप्त हो गया था. त्रेता युग के भगवान राम के अलावा भगवान विष्णु ने वामन और परशुराम के रूप में अवतार लिया था.

क्यों कहा जाता है सूर्यवंशी ?

भगवान राम का जन्म इक्ष्वाकु वंश में हुआ था, जिसकी स्थापना सूर्य के पुत्र राजा इक्ष्वाक ने की थी, इसलिए भगवान राम को सूर्यवंशी भी कहा जाता है. भगवान विष्णु का 394वां नाम राम है. विष्णु सहस्त्रनाम नामक पुस्तक में भगवान विष्णु के एक हजार नामों को सूचीबद्ध करती है. भगवान राम का नाम महर्षि वशिष्ठ ने रखा गया था. गुरु वशिष्ठ के अनुसार, राम शब्द दो बीजाणुओं- अग्नि बीज और अमृत बीज से बना है. यह नाम मन, शरीर और आत्मा को शक्ति प्रदान करता है. भगवान राम का तीन बार उच्चारण हजारों देवताओं को याद करने जैसा है.

भगवान विष्णु ने क्यों लिया श्रीराम का अवतार ?

महाभारत में यह वर्णन मिलता है कि एक बार भगवान शिव ने कहा कि राम के नाम का तीन बार पाठ करने से हजार देवताओं के नामों के उच्चारण के बराबर कृपा मिलती है.पौराणिक कथाओं के अनुसार, एक बार सनकादिक मुनि भगवान श्रीहरि का दर्शन करने के लिए वैकुंठ पहुंचे. उस समय दो द्वारपाल- जय और विजय पहरा दे रहे थे, जब सनकादिक मुनि द्वार से होकर जाने लगे तो जय और विजय ने उनकी हंसी उड़ाते हुए रोक लिया. जिसके बाद क्रोधित होकर सनकादिक मुनि ने उन दोनों को तीन जन्मों तक राक्षस कुल में जन्म लेने का श्राप दे दिया. दोनों ने मुनि से क्षमा मांगी लेकिन सनकादिक मुनि ने कहा कि तीन जन्मों के बाद तुम्हारा अंत विष्णु जी ही करेंगे, इसके बाद ही तुम्हें मोक्ष की प्राप्ति होगी.

इस प्रकार पहले जन्म में जय और विजय ने हिरण्यकशिपु और हिरण्याक्ष के रूप में जन्म लिया, जिसमें श्रीहरि ने नराह अवतार लेकर उन दोनों का अंत किया. दूसरे जन्म में जय और विजय ने रावण और कुंभकर्ण के रूप में जन्म लिया और भगवान विष्णु ने श्रीराम का अवतार लेकर इन दोनों का वध किया. तीसरे जन्म में दोनों ने शिशुपाल और दंतवक्र के रूप में जन्म लिया, जिसमें विष्णु जी नेभगवान श्रीकृष्ण का रूप लेकर ने इनका वध किया.

आपको पता है हिंदी का सबसे लंबा शब्द, 24 अक्षरों और 10 मात्राओं का है मेल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 12 जनवरी : दुनिया में बहुत सी अलग-अलग भाषाएं हैं और उनमें अपने वर्ण और शब्दों का भंडार होता है. इसमें में कुछ उनके अपने शब्द होते हैं तो कुछ ऐसे भी हैं, जो दूसरी भाषाओं से लिए जाते हैं. हालांकि हमें पता नहीं होता है कि कौन अपने शब्द हैं और कौन दूसरी भाषाओं के. जिस तरह की परिस्थितियां बनती जा रही हैं, उसमें तो लोगों को हिंदी के कठिन शब्दों का ही पता नहीं है, ऐसे में अगर उनसे जरा भी तकनीकी सवाल पूछ लिया जाए, तो लोग कंफ्यूज हो जाते हैं।

हिंदी हमारी मातृभाषा है और इससे हम सबसे ज्यादा परिचित हैं, ऐसे में एक छोटा सा सवाल ये पूछा गया कि हिंदी भाषा का सबसे लंबा शब्द कौन सा है? ज्यादातर लोगों को इसका जवाब नहीं पता होगा. लोगों ने इंटरनेट पर जब इसका तलाशा तो उन्हें वो शब्द मिला, जिसके बारे में बहुत कम लोग ही जानते होंगे। विश्व में चौथी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली हिंदी भाषा को लेकर जिज्ञासा रखने वालों ने जानना चाहा कि हिंदी में आखिर वो कौन सा शब्द है, जिसे सबसे बड़ा माना जा सकता है. वैसे तो हिंदी में समास और संधियों के ज़रिये बड़े से बड़े शब्दों का निर्माण हो सकता है लेकिन जो शब्द निर्मित हो चुके हैं, उनमें से सबसे लंबे शब्द के तौर पर हमें जो मिला, वो है – लौहपथगामिनिसूचकदर्शकहरिततम्रलौहपट्टिका. इस शब्द में कुल 24 अक्षर हैं और 10 मात्राएं और चिह्न. इस शब्द का अर्थ है रेल की पटरियों के किनारों पर लगे हरे रंग के लोहे से बने लिखित निर्देश बोर्ड. इसके अलग-अलग अर्थ इस तरह से हैं

लौहः लौह, पथः रास्ता, गामिनीः गमन करने वाली/ चलने वाली, सूचकः सूचना देने वाला, दर्शकः दिखाने वाला/ निर्देश करने वाला, हरितः हरा, ताम्र लौहः तांबा मिश्रित लोहा, पट्टिकाः लिखने के लिए बनाई गई सीधी पतली ठोस चादर/ तख्ती. इस शब्द के अलावा जो लंबे शब्दों में गिने जाते हैं, वो इस तरह से हैं – किंकर्तव्यविमूढ़, गवेषणोन्मुखात्मक और अन्यमनस्क आदि.

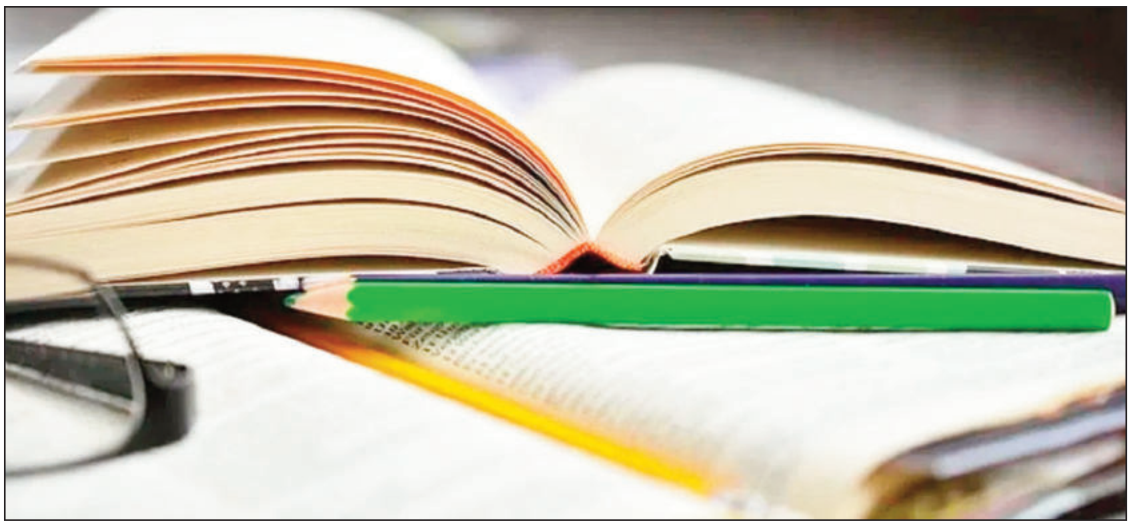

चमनलाल पीजी कॉलेज की सात छात्राएं यूनिवर्सिटी मेरिट में, दो बनी टॉपर

कॉलेज करेगा टॉपर्स का सम्मान : डॉ. सुशील उपाध्याय , प्राचार्य

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

लंढौरा (हरिद्वार), 12 जनवरी, चमनलाल पीजी कॉलेज की सात छात्राओं ने यूनिवर्सिटी मेरिट में स्थान हासिल किया है। इनमें से दो छात्राओं ने यूनिवर्सिटी टॉप की है।श्रीदेव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय ने विगत सत्रों की टॉपर्स लिस्ट जारी कर दी है। इस सूची में स्नातक तथा स्नातकोत्तर की विभिन्न उपाधियां में टॉप 3 स्थान हासिल करने वाले छात्र-छात्राओं के नाम जारी किए गए हैं। इस बार चमनलाल स्नातकोत्तर महाविद्यालय की छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए यूनिवर्सिटी मेरिट में सात स्थान प्राप्त किए हैं। एमए होम साइंस में अंजलि प्रदीप चौधरी ने 80 प्रतिशत अंकों के साथ यूनिवर्सिटी टॉप की है। इस विषय में दूसरे स्थान पर भी चमनलाल महाविद्यालय की छात्रा पूर्णिमा शर्मा रही हैं।

स्नातकोत्तर स्तर पर ड्राइंग एंड पेंटिंग विषय में निशा कंचन ने 80 प्रतिशत अंकों के साथ यूनिवर्सिटी मेरिट में तीसरा स्थान हासिल किया है।

एमलिब उपाधि में नेहा ने 72 फीसद अंकों के साथ दूसरा और वैशाली पुंडीर ने 70 फीसद अंकों के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया है। बीएससी होम साइंस में भी महाविद्यालय की छात्राओं ने अपनी योग्यता का उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। इस उपाधि में पहला और तीसरा स्थान चमनलाल महाविद्यालय की छात्राओं को प्राप्त हुआ। शिवानी सेठपाल ने 77 प्रतिशत अंकों के साथ यूनिवर्सिटी टॉप की, जबकि सना परवीन ने 73 प्रतिशत अंकों के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया।

प्राचार्य डॉ. सुशील उपाध्याय ने बताया कि हरिद्वार जनपद के समस्त महाविद्यालयों में चमनलाल महाविद्यालय की सर्वाधिक छात्राओं ने यूनिवर्सिटी की मेरिट में स्थान प्राप्त किए हैं। पूर्व में भी महाविद्यालय की एक छात्रा यूनिवर्सिटी टॉप कर चुकी है। महाविद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष रामकुमार शर्मा ने कहा कहा कि सभी टॉपर्स को आगामी गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने छात्राओं की उपलब्धि से छात्रों को प्रेरणा लेने को कहा है।

आपकी मेंटल हेल्थ को प्रभावित करती हैं ये चीजें

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 12 जनवरी : ऑफिस वर्क, घर का काम, बिल भरना, राशन और बच्चों की जिम्मेदारियां पूरी करते-करते कई बार व्यक्ति खुद पर ध्यान देना भूल जाता है. जिस वजह से व्यवहार में चिड़चिड़ापन, नींद की कमी, काम में मन न लगना और तनाव जैसे लक्षण महसूस हो सकते हैं. ये लक्षण खराब मेंटल हेल्थ की ओर इशारा करते हैं. मेंटल हेल्थ व्यक्ति की भावनात्मक, मनोवैज्ञानिक और सामाजिक स्थितियों को दर्शाता है।

अधिक तनाव और जिम्मेदारियां किसी भी व्यक्ति को मानसिक रूप से कमजोर कर सकती हैं. सिर्फ महिलाएं ही नहीं बल्कि पुरुष भी खराब मेंटल हेल्थ का सामना करते हैं. दिमाग पर प्रेशर देने वाली समस्याओं के संकेतों को समय रहते भांप लिया जाए तो काफी हद तक मेंटल प्रेशर को कम किया जा सकता है. चलिए जानते हैं उन कारणों के बारे में जो मेंटल हेल्थ को प्रभावित कर सकते हैं।

लंबे समय तक काम करने से चिंता, डिप्रेशन और वर्कआउट बढ़ सकता है. द सन डॉट को डॉट यूके के अनुसार लाइफ को सुचारू रूप से चलाने के लिए काम पर अतिरिक्त घंटे देना सामान्य है लेकिन जब ये काम मेंटल प्रेशर बढ़ाने लगे तो मेंटल

हेल्थ पर असर हो सकता है. अधिक काम करने से वजन में उतार-चढ़ाव, लगातार थकान, नींद की कमी और लो महसूस करने जैसे लक्षण नजर आ सकते हैं. इससे कई गंभीर समस्याएं भी बढ़ सकती हैं. शोध के अनुसार जो लोग हफ्ते में 55 से 65 घंटे काम करते हैं उनकी मेंटल हेल्थ काफी खराब हो सकती है.

जैसा कि कहा जाता है कि आप जैसा खाते हैं वैसा ही प्रभाव शरीर और दिमाग पर पड़ता है. हेल्दी डाइट वास्तव में मेंटल हेल्थ में मदद कर सकती है. अधिक जंक फूड या अनहेल्दी खाना दिमाग को कमजोर बना सकता है. इसलिए डाइट में फल-सब्जियों, दूध, अंडा और मछली को शामिल करना डिप्रेशन के खतरे को कम कर सकता है.

संपादकीय

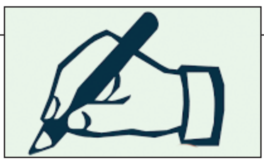

स्पीकर का सवालिया फैसला

महाराष्ट्र के विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने विधायकों को अयोग्य करार देने की याचिकाओं पर फैसला सुनाने में 18 माह से अधिक का वक्त लिया, फिर भी व्यवस्था सवालिया है। स्पीकर यह व्याख्या करते रहे कि 'असली शिवसेना' कौन-सी है? उसका नेता कौन है? पार्टी का कौन-सा संविधान मान्य है? उद्धव ठाकरे की शक्तियां क्या थीं? शिवसेना में पार्टी प्रमुख से ताकतवर राष्ट्रीय कार्यकारिणी है। शिवसेना पर फैसला तो चुनाव आयोग सुना चुका था। पार्टी का नाम और चुनाव चिह्न 'धनुष-बाण' एकनाथ शिंदे की सेना को आवंटित किए जा चुके थे, लेकिन सर्वोच्च अदालत के सवाल कुछ और ही थे। चूंकि स्पीकर ने व्यवस्था दी है कि शिंदे गुट ही 'असली शिवसेना' है। शिंदे को विधायक दल के नेता पद से हटाने का अधिकार उद्धव ठाकरे को नहीं था। पार्टी प्रमुख की इच्छा और निर्णय राष्ट्रीय कार्यकारिणी के नहीं थे। स्पीकर ने उद्धव ठाकरे के नेतृत्व को ही संवैधानिक नहीं माना। शिवसेना संविधान में 2018 में जो संशोधन किए गए थे, उन्हें भी मान्यता नहीं दी, क्योंकि वह दस्तावेज चुनाव आयोग में उपलब्ध नहीं था। यहां महत्त्वपूर्ण सवाल उठता है कि 2019 के आम चुनाव और फिर विधानसभा चुनाव के लिए जो पार्टी प्रत्याशी पत्र जारी किए गए और जिन्हें चुनाव आयोग ने स्वीकार भी किया, उन पर किसके हस्ताक्षर थे? यहां उद्धव ठाकरे 'संवैधानिक' कैसे हो सकते हैं? संविधान पर चुनाव आयोग और स्पीकर को स्पष्टीकरण देने चाहिए, क्योंकि यह संविधान से जुड़ा मामला है। स्पीकर नार्वेकर ने अपनी व्यवस्था का आधार 1999 के शिवसेना संविधान को बनाया है, जिसमें तत्कालीन पक्ष प्रमुख बाल ठाकरे ने पार्टी प्रमुख के बजाय राष्ट्रीय कार्यकारिणी के वर्चस्व को स्थापित किया था। सर्वोच्च अदालत की न्यायिक पीठ का भी मानना है कि विधायक दल से ज्यादा महत्त्वपूर्ण और ताकतवर पार्टी का संगठन होता है, क्योंकि वह ही मूल है। राजनीतिक शाखाएं कई हो सकती हैं। बहरहाल 2024 में 1999 का पार्टी संविधान पूर्णतः प्रासंगिक नहीं हो सकता, क्योंकि उसके बाद 2004, 2009 और 2014 के लोकसभा चुनाव हुए हैं। विधानसभा चुनाव भी हुए हैं। यदि संविधान में संशोधन नहीं किए गए और शिवसेना में संगठनात्मक चुनाव भी नहीं कराए गए, तो बहुत कुछ वैध नहीं था। बल्कि सवालिया ही था। प्रत्याशी पत्रों पर हस्ताक्षर के सवाल भी लगातार उठेंगे। स्पीकर के निर्णय के बाद कई कानूनी चुनौतियां सामने आएंगी। हालांकि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की सत्ता सुरक्षित और स्थिर है। स्पीकर ने किसी भी पक्ष के विधायकों को 'अयोग्य' करार नहीं दिया है, लेकिन शिंदे सेना को अभी जश्न मनाने से परहेज करना चाहिए, क्योंकि उद्धव ठाकरे ने साफ कहा है कि स्पीकर के फैसले को सर्वोच्च अदालत में चुनौती दी जाएगी। चूंकि वह इस फैसले को लोकतंत्र, संविधान और 10वीं अनुसूची की हत्या मानते हैं, लिहाजा सर्वोच्च अदालत की समीक्षा चाहेंगे। स्पीकर के सामने एक और विवादास्पद मामला है कि उन्हें 31 जनवरी तक एनसीपी के विभाजन पर भी व्यवस्था देनी है।

दैनिक न्यूज़ वायरस

संपादक : मौ.सलीम सैफी, **कार्यकारी संपादक :** आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002, **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094
Cert. Ser. No. : 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com
Website : www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

खामोश सरस्वती राम मंदिर में तोड़ेंगी सबसे बड़ा व्रत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 12 जनवरी , अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लिए असंख्य लोगों ने कुर्बानियां दी हैं। कईयों ने अपने प्राणों की आहुति दी तो कई लोगों ने दूसरे तरीके से राम मंदिर के लिए आंदोलन चलाया। ऐसी ही एक महिला भक्त हैं सरस्वती, जो पिछले 30 सालों से मौन व्रत धारण किए हैं। अब उनका यह व्रत टूटने वाला है क्योंकि जिस वजह से इस भक्त महिला ने व्रत रखा, वह मनोकामना पूर्ण होने जा रही है और आने वाली 22 जनवरी को कामना पूरी हो जाएगी।

कौन हैं झारखंड की रहने वाली सरस्वती

राम भक्तों की सूची नें झारखंड के धनबाद की रहने वाली सरस्वती का नाम भी शामिल हैं। सरस्वती पूरे 30 साल के बाद अयोध्या में भगवान राम के सामने अपना मौन व्रत तोड़ेंगी। सरस्वती के परिवार वालों ने बताया कि वे महंत नृत्य गोपाल दास से होकर वह अक्सर अयोध्या आती रहती हैं। 30 साल पहले उन्होंने कसम खाई थी कि राम मंदिर को अपनी आंखों से देखने के बाद ही कुछ बोलूंगी। वह 22 जनवरी को अयोध्या में अपना उपवास तोड़ेंगी। यह सरस्वती के लिए सबसे भावुक क्षण होगा क्योंकि उनके जीते जी उनकी तपस्या पूरी होने जा रही है।

जोरों पर है प्राण प्रतिष्ठा की तैयारी

22 जनवरी 2024 को अयोध्या में राम मंदिर

प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम का पूरा शेड्यूल आ गया है। राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने बताया कि प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जनसभा को भी संबोधित करेंगे। मंदिर के सामने खुले मंच पर लोगों के लिए कुर्सियां लगाई जाएंगी। एक केंद्रीय शिखर बनाया जाएगा जबकि दो पार्श्व शिखर होंगे। कार्यक्रम के दौरान 6000 कुर्सियां लगाई जाएंगी और यह व्यवस्था ऐसी होगी कि सभी को मंदिर के दर्शन होते रहेंगे। इसके अलावा देश भर में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के लाइव प्रसारण की भी व्यवस्था की गई है।

डीएम ने कहा OK ! और दो लड़कियों ने आपस में कर ली शादी !

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 12 जनवरी , आपने मोहब्बत की अनेक कहानियां पढ़ी , सुनी और देखी होंगी लेकिन वक़्त के साथ लोगों की ये चाह नए नए रंग में नज़र आने लगी है। कई देश और विदेश के बड़े शहरों में तो समलैंगिक जोड़े अक्सर साथ में दिख जाते है.पर यूपी के एक जिले में समलैंगिक जोड़े ने शादी कर ली है. जी हां देवरिया में दो युवतियों ने समलैंगिक शादी रचाई है. एक दूसरे के प्यार में पड़कर दोनों युवतियों शादी कर ली है.बता दें कि आर्केस्ट्रा में दोनों युवतियां साथ में काम करती हैं.लेकिन कहते हैं न कि इश्क़ में कुछ भी संभव है और ये कभी भी किसी से भी हो सकता है ऐसे में ये लवस्टोरी सुर्खियों में आ गयी।

दो साल साथ रहने के बाद लिया फैसला

बताया जा रहा है कि दोनों युवतियां दो साल से पति-पत्नी की तरह रहती थी. दोनों लड़कियों ने मझौली राज में स्थित भगड़ा भवानी मंदिर में एक दूसरे के साथ शादी रचाई.मन्दिर में पण्डित ने रीति-रिवाज से इस ब्याह को कराया. दोनों ने एक-दूसरे को वरमाला डाली और मांग में सिंदूर भी भरा.दोनों ने स्टाम्प पर नोटरी शपथ पत्र बनवाकर शादी की.

दोनों युवतियां पश्चिम बंगाल की रहने वाली बतायी जा रही है. एक लड़की का नाम जयश्री राउल है, जिसकी उम्र 28 साल है.वहीं दूसरी लड़की का नाम राखी दास है, जिसकी उम्र 23 साल है. वो अक्षय नगर रिफ्यूजी कालोनी साउथ 24 परगना वेस्ट बंगाल की रहने वाली है. शादी के बाद समलैंगिक जोड़े ने कहा कि वो एक दूसरे के साथ रहना चाहते थे.और अपनी मर्जी ने दोनों शादी के बंधन में बंधे है. इसलिए इसमें किसी को भी कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए. वहीं शादी कराने वाले पुजारी ने कहा कि डीएम से अनुमति के बाद ही शादी यहां हो रही है.

एसएसपी अजय सिंह की सटीक रणनीति से अपराधियों के हौसलें पस्त

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

सेलाकुई , 12 जनवरी , वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून द्वारा सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने थाना क्षेत्र में आपराधिक घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने तथा संदिग्ध व्यक्तियों की तलाश हेतु नियमित रूप से सघन चेकिंग तथा सत्यापन अभियान चलाने के निर्देश दिए गए है, उक्त निर्देशों के क्रम में जनपद के नगर एवं देहात क्षेत्र में पुलिस द्वारा नियमित रूप से संदिग्ध व्यक्तियों/वाहनों की तलाश हेतु लगातार सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है।

इस दौरान दिनांक 10/01/24 की रात्रि थाना सेलाकुई पुलिस को मुखबिर के माध्यम से सूचना मिली कि खाटू श्याम मंदिर के पीछे एक वर्ना गाड़ी खडी है, जिसमें कुछ व्यक्ति बैठे है, जिनकी गतिविधियां संदिग्ध लग रही हैं। उक्त सूचना पर पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची। मौके पर खाटू श्याम मन्दिर के पीछे एक वरना गाड़ी खड़ी थी तथा पास में ही गन्ने के खेत से कुछ व्यक्तियों की आपस में बात करने की आवाज आ रही थी, जो सेलाकुई बाजार में ज्वेलरी शॉप तथा एटीएम में चोरी की घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे थे। मौके पर पुलिस द्वारा उक्त व्यक्तियों को शक होने पर पकड़ लिया, जिनकी तलाशी लेने पर उनके कब्जे से 01 अवैध तमंचा, 01 अवैध खुखरी, 03 कारतूस, आला नकब तथा अलग-अलग बैंकों के 34 एटीएम कार्ड बरामद हुये। बरामद एटीएम कार्डो के सम्बंध में पूछताछ करने पर अभियुक्तों द्वारा उक्त एटीएम कार्डो को अलग-अलग व्यक्तियों से ठगी कर प्राप्त करना बताया गया। अभियुक्तगणों के विरुद्ध थाना सेलाकुई में मु0अ0सं0- 05/24 , धारा 401 भादवि तथा 3/4/25 आर्म्स एक्ट के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया। अभियुक्त गणों को समय से माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जाएगा।

पूछताछ का विवरणः-

पूछताछ में अभियुक्त राहुल खान द्वारा बताया गया कि वे सभी गिरोह के रूप में काम करते हुए एटीएम ठगी, चोरी तथा अन्य आपराधिक घटनाओं को अजांम देते है। अभियुक्त द्वारा दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान तथा अन्य प्रान्तों में भी एटीएम ठगी एंव अन्य आपराधिक घटनाओं को अजांम दिया गया है, जिसके सम्बंध में उनके विरूद्ध सम्बन्धित राज्यों में धोखाधडी, आर्म्स एक्ट व अन्य आपराधिक घटनाओं के अभियोग पंजीकृत है। अभियुक्त राहुल खान व उसके सहयोगियों के विरूद्व राजस्थान में गैंगस्टर एक्ट के तहत भी अभियोग पंजीकृत है, जिसमें उक्त सभी अभियुक्त पूर्व में जेल जा चुके है। पुलिस द्वारा सम्बन्धित राज्यों से अभियुक्तों के आपराधिक इतिहास की विस्तृत जानकारी की जा रही है।

नाम पता गिरफ्तार अभियुक्तः-

1- राहुल खान पुत्र खुर्शीद, निवासी मेहरौला थाना रोजकामऊ, जिला मेवात हरियाणा, उम्र 29 वर्ष2- रिजवान पुत्र वारिस निवासी ग्राम डोज थाना सेक्टर 55, जिला फरीदाबाद, हरियाणा उम्र 22 वर्ष3- नसीम अहमद पुत्र हजारुद्दीन निवासी ग्राम मेहरौला थाना रोजकामऊ, जिला मेवात, हरियाणा उम्र 32 वर्ष4- तारिक हुसैन पुत्र हारून मेहरौला थाना रोजकामऊ, जिला मेवात हरियाणा उम्र 29 वर्ष

विवरण बरामदगी-

1- एक तमंचा 12 बोर, 03 जिंदा कारतूस, 18 एटीएम कार्ड - अभियुक्त राहुल खान2- एक नाजायज खुखरी तथा 16 एटीएम कार्ड - अभियुक्त रिजवान3- एक आला नकब- अभियुक्त तारीफ हुसैन4- एक आलानकब- अभियुक्त नसीम अहमद5- एक वरना गाड़ी नंबर- HR 26 EU-2454

पुलिस टीम

1. उ0नि0 शैंकी कुमार, थानाध्यक्ष सेलाकुई2. उपनिरीक्षक रतन सिंह बिष्ट, थाना सेलाकुई3. अपर उपनिरीक्षक सोहन सिंह, थाना सेलाकुई4. कांस्टेबल बृजेश रावत5. कांस्टेबल मुकेश कुमार

एसओजी टीम

1-निरीक्षक मुकेश त्यागी, प्रभारी एसओजी ग्रामीण2-उप निरीक्षक दीपक धारीवाल3-कांस्टेबल नवीन कोहली 4-कांस्टेबल जितेंद्र।

प्राण प्रतिष्ठा के दिन बंद रहेंगे स्कूल-कॉलेज

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 12 जनवरी , मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या के राम मंदिर के प्राण-प्रतिष्ठा समारोह से पहले आम जनमानस के भावनात्मक जुड़ाव को देखते हुए 22 जनवरी को प्रदेश में शिक्षण संस्थाओं को बंद रखने का फैसला किया है। वहीं, प्राण प्रतिष्ठा के दिन शराब बिक्री पर रोक लगा दी गई है।

इस दिन को मुख्यमंत्री योगी ने राष्ट्रीय उत्सव की तरह मनाने के लिए सभी सरकारी भवनों को सजाने व आतिशबाजी कराने के आदेश भी जारी कर दिया है। अयोध्या दौरे पर रहे सीएम योगी ने श्री रामलला और हनुमान गढ़ी के दर्शन-पूजन के बाद श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पदाधिकारियों के साथ बैठक की।बैठक में उन्होंने अधिकारियों को मकर संक्रांति के बाद प्रारंभ होने वाले प्राण प्रतिष्ठा के वैदिक अनुष्ठान की जानकारी लेते हुए समारोह की सुरक्षा एवं अन्य

व्यवस्थाओं में तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को सभी आवश्यक सहयोग प्रदान करने के निर्देश दिये। इसके बाद आयुक्त ने सभागार में स्थानीय जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में स्थानीय प्रशासन के अधिकारियों से तैयारियों का जायजा लिया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रतिष्ठा समारोह में आने वाले महानुभावों को अयोध्या में बेहतर आतिथ्य मिलना चाहिए। प्रत्येक वीवीआईपी के विश्राम स्थल का चयन पहले से कर लिया जाए। मौसम को देखते हुए संभव है कि कुछ मेहमान एक-दो दिन पहले आ जाएं, ऐसे में उनके ठहरने की बेहतर व्यवस्था की जानी चाहिए।

SSP नैनीताल का नशे पर लगातार वार

- नशे की तस्करी कर मालामाल होने का प्लान नैनीताल पुलिस ने किया फेल
- 175 पेटी अवैध शराब से भरी पिकअप की सीज और तस्करों को पहुंचाया जेल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नैनीताल 12 जनवरी : एसएसपी नैनीताल द्वारा ₹ड्रग्स फ्री देवभूमि मिशन-2025₹ अभियान के अंतर्गत जनपद नैनीताल में अवैध नशे की तस्करी/बिक्री करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही किए जाने हेतु समस्त थाना/चौकी प्रभारियों को सख्त दिशा निर्देश दिए गए हैं।डॉ0 जगदीश चंद्र पुलिस अधीक्षक क्राइम/यातायात एवं नितिन लोहानी क्षेत्राधिकारी भवाली के निर्देशन में जगदीप नेगी थानाध्यक्ष भीमताल के कुशल नेतृत्व में चौकी प्रभारी सलडी विजय कुमार व पुलिस द्वारा वाहनों की चेकिंग के दौरान वाहन संख्या- UK-06 G-4563 पिकप को चेक किये जाने पर 02 व्यक्तियों को भारी मात्रा में अवैध अंग्रेजी शराब की तस्करी करते गिरफ्तार किया है। उक्त संबंध में थाना भीमताल में धारा-60/72 आबकारी अधि0 के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत कर आवश्यक कार्यवाही की गई है, तस्करी में लिप्त वाहन को सीज किया गया है।

गिरफ्तारी-

1-बृजेशपाल पुत्र क्षत्रपाल निवासी देवलचौर मानपुर पश्चिम थाना हल्द्वानी नैनीताल2- प्रदीप मौर्या पुत्र गंगा प्रसाद मौर्या निवासी देवलचौड़ मानपुर पश्चिम हल्द्वानी नैनीताल

बरामदगी-

कुल- 175 पेटी अवैध अंग्रेजी शराब

देहरादून और नगर पालिका परिषद मुनिकीरेती-ढालवाला स्वच्छता सर्वेक्षण 2023 में अव्वल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 12 जनवरी , स्वच्छता सर्वेक्षण 2023 में नगर निगम देहरादून और नगर पालिका परिषद मुनिकीरेती-ढालवाला को प्रथम स्थान मिलने पर भारत सरकार ने राष्ट्रीय पुरस्कार से नवाजा है। इसके लिए शहरी विकास मंत्री डॉ प्रेमचंद अग्रवाल ने अधिकारियों को प्रोत्साहित किया है। नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में शहरी विकास मंत्रालय भारत सरकार की ओर से आयोजित कार्यक्रम में यह पुरस्कार दोनों निकायों के अधिकारियों को महापौर/अध्यक्ष की मौजूदगी में दिया गया।

विभागीय मंत्री डॉ प्रेमचंद अग्रवाल ने बताया कि नगर निगम देहरादून को राज्य के नगर निगम की श्रेणी में क्लीन सिटी के रूप में प्रथम पुरस्कार मिला है, जबकि नॉर्थ जोन में 68वीं रैंक हासिल हुई है। डॉ अग्रवाल ने बताया कि स्वच्छता सर्वेक्षण 2022 में नगर निगम देहरादून को नॉर्थ जोन में 69वीं रैंक मिली थी, इस वर्ष नगर निगम देहरादून ने अपनी रैंक में सुधार किया है। डॉ अग्रवाल ने बताया कि वहीं नगर पालिका परिषद मुनिकीरेती-ढालवाला को राज्य की नगर पालिकाओं की श्रेणी में क्लीन सिटी के रूप में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है, बताया कि पिछले वर्ष भी नगर पालिका मुनिकीरेती को प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ था।

नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम के बाद विभागीय मंत्री डॉ प्रेमचंद अग्रवाल ने अधिकारियों को प्रोत्साहित किया। इस मौके पर महापौर देहरादून सुनील उनियाल गामा, पालिकाध्यक्ष मुनिकीरेती रोशन रतूड़ी, जिलाधिकारी देहरादून सोनिका, कमिश्नर नगर निगम देहरादून गौरव कुमार, अधीक्षण अभियंता शहरी विकास निदेशालय रवि पांडेय, सहायक नगर आयुक्त एसपी जोशी, अधिशासी अभियंता मुनिकीरेती तनवीर मारवाह, मनोज बिष्ट, दीपक कुमार, नरेश, रंजीत सिंह, दिग्विजय सेमवाल आदि उपस्थित रहे। बता दें कि राष्ट्रीय स्तरीय पुरस्कार निकायों के प्रदर्शन जैसे घरों से नियमित कूड़ा उठान, कूड़ा निस्तारण, रात्रिकाल में सफाई व्यवस्था, निकाय क्षेत्र के अंतर्गत शौचायलयों की सफाई, पर्यावरण मित्रों की सुरक्षा आदि के मानकों के आधार पर दिया जाता है।